तकब्बुर (घमंड)

मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

राहे अमल हिन्दी.

'नोट:- तमाम रिवायते हदीष के खुलासे है.'

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

{१} मुस्लिम;- हज़रत इबने मसूद (रदी) से रिवायत है की रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- वो शख्स जिस्के दिल में जररा बराबर घमंड होगा जन्नत में दाखिल नहीं हो सकेगा, उसपर एक आदमी ने पूछा की आदमी चाहता है की उस्के कपडे और जूते अच्छे हो, तो क्या ये भी घमंड में दाखिल है? आपﷺ ने फरमाया- नहीं ये तकब्बुर नहीं है, अल्लाह पाकीज़ा है और साफ सुथराई को पसन्द करता है, घमंड का मतलब है अल्लाह के हक को अदा नहीं करना और उस्के बन्दो को निचा जानना.

{२} अबू दाउद;- हज़रत हारसा बिन वहाब (रदी) से रिवायत है की रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- घमंडी आदमी जन्नत में दाखिल नहीं होगा और ना वो जो झूठी शेखी बढाता है. असल हदीस में "जव्वाज़" और "जाज़रिय्य" आया है. जव्वाज़ का मतलब है

घमंडी, घमंड के साथ चलने वाला, बदमाश, बदकार, माल को जमा करने वाला बखीली करने वाला. और जाज़रिय्य उस्को कहते जिस्के पास है तो कुछ नहीं, मगर लोगों के सामने अपने पास कारून का खजाना होने का एलान करता फिरता है, ये दौलत के साथ मखसूस नहीं, जूहद व तकवा और इल्म की दुनिया में भी घमंडी और झूठी शेखी बढाने वाले पाए जाते है.

{३} अबू दाउद;- हज़रत अबू सइद खुदरी (रदी) से रिवायत है की रसूलुल्लाहﷺ को ये फरमाते सुना की मोमिन का तहबन्द तो उस्की आधी पिण्डली तक रहता है, और अगर उस्से नीचे टखनों से उपर रहे तो कोई गुनाह नहीं, और जो टखनों से नीचे हो तो वो जहन्नम में है (यानी गुनाह की बात है) ये बात आपﷺ ने तीन बार फरमाई ताकि लोगों पर उस्की एहमियत वाजेह हो जाए और फिर फरमाया- अल्लाह उस शख्स की तरफ कयामत के दिन नहीं देखगा जो शेखी के जज्बे से अपना तहबन्द जमीन पर घसीटेगा.

{४} बुखारी;- हज़रत इबने उमर (रदी) से रिवायत है की रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- जो अपना कपडा (तहबन्द, पायजामा घमंड से ज़मीन पर घसीटेगा अल्लाह कयामत के दिन उस्की

तरफ नहीं देखेगा (रहमत की नज़र नहीं डालेगा) हज़रत अबू बकर सिद्दीक (रदी) ने कहा मेरा तहबन्द ढीला हो कर टखने के नीचे चला जाया करता है अगर में संभालता ना रहूं (तो क्या में भी अपने रब की रहमत की नज़र से महरूम रह जाउंगा?) आपﷺ ने फरमाया- नहीं तुम घमंड से तहबन्द घसीटने वालो में से नहीं हो (फिर तुम अल्लाह की निगाहे करम से क्यों महरूम रहोगे).
हज़रत अबू बकर (रदी) के तहबन्द के ढीला होने की वजह ये ना थी की उन्के तोंद निकल आई थी, बल्की बदन की कमजोरी थी, हज़रत बहुत कमज़ोर जिस्म के थे.
आपﷺ ने ये फरमाया- था की घमंड और शेखी के जज़्बा से जो एडीतोड तहबन्द बांधेगा वो अल्लाह की निगाहे करम से महरूम रहेगा और अबू बकर (रदी) ने ये पूरी बात सुनी थी और जानते थे की वो घमंड के तौर पर जान बूझकर ऐसा नहीं करते थे. लेकिन जब आदमी पर आखिरत की फिकर सवार हो जाती है तो गुनाह की परछाई से भी दूर भागता है.

{५} बुखारी; हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास (रदी) से रिवायत है की जो चाहो खावो और जो चाहो पहनो, बशरत के तुम्हारे, अन्दर घमंड और फिजूल खरची ना हो.